सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 01 MAY TO 07 MAY 2026 • VOLUME 41 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"बड़ा सोचो, छोटा शुरू करो, लेकिन शुरू जरूर करो।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	39°	23°
शनिवार	38°	22°
रविवार	37°	22°
सोमवार	38°	21°
मंगलवार	37°	22°
बुधवार	37°	21°
वीरवार	38°	21°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.
*T&C apply

पाकिस्तान को लाइव फुटेज भेजने वाले 3 जासूस गिरफ्तार

दो हाई-टेक चीनी सीसीटीवी कैमरे, चार मोबाइल फोन और वाई-फाई सेट बरामद

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/जालंधर

पंजाब पुलिस ने आईएसआई समर्थित दो अलग-अलग जासूसी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। ये मॉड्यूल संवेदनशील सैन्य ठिकानों की लाइव फुटेज पाकिस्तान आधारित हैंडलरों तक पहुंचाने के लिए हाई-टेक चीनी सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल कर रहे थे। यह जानकारी गुरुवार को डीजीपी गौरव यादव ने दी। काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर ने एक ऑपरेटिव को गिरफ्तार कर पहले मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और उसके कब्जे से 4जी कनेक्टिविटी वाला एक चीनी सीसीटीवी कैमरा और सोलर प्लेट बरामद की गई। वहीं, कपूरथला पुलिस ने एक केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त ऑपरेशन में दो व्यक्तियों को विदेशी हैंडलरों से जुड़े चार मोबाइल फोन, एक सिम-आधारित सीसीटीवी कैमरा और एक वाई-फाई सेट के साथ गिरफ्तार कर दूसरे मॉड्यूल का पर्दाफाश किया।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि ये मॉड्यूल विभिन्न स्थानों पर रणनीतिक रूप से सिम-आधारित और सौर ऊर्जा से संचालित सीसीटीवी कैमरे लगा रहे थे, ताकि रक्षा बलों से जुड़े संस्थानों सहित संवेदनशील स्थानों की निगरानी कर मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से पाकिस्तान स्थित हैंडलरों को लाइव फुटेज भेजी जा सके। उन्होंने कहा, "ये चीनी कैमरे ऑफ-ग्रिड निगरानी के लिए उपयुक्त हैं क्योंकि ये पारंपरिक वायरिंग के बजाय 4जी कनेक्टिविटी और सौर ऊर्जा के जरिए काम करते हैं।" काउंटर इंटेलिजेंस ऑपरेशन में गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुखविंदर सिंह उर्फ सुखा, निवासी गांव सहांके, फिरोजपुर के रूप में हुई है। कपूरथला पुलिस द्वारा किए गए दूसरे ऑपरेशन में गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान सोना, निवासी दोना मट्टर, फिरोजपुर और संदीप सिंह उर्फ सोनू, निवासी गांव छांगा खुर्द, फिरोजपुर के रूप में हुई है।

एआईजी काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर सिमरतपाल सिंह ढींडसा ने बताया कि सुखविंदर सिंह की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने एक सिम कार्ड और सोलर प्लेट के साथ एक सीसीटीवी कैमरा बरामद किया है। कपूरथला मॉड्यूल के बारे में जानकारी देते हुए एसएसपी कपूरथला गौरव तूरा ने बताया कि आर्मी कैंट के पास निगरानी संबंधी सूचना के आधार पर मॉडल टाउन, कपूरथला स्थित एक दुकान पर छापा मारा गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने सैन्य गतिविधियों की निगरानी के लिए नजदीकी खंभे पर सिम-आधारित कैमरा लगाने हेतु दुकान किराए पर ली थी।

एसएसपी ने यह भी बताया कि जांच में सामने आया है कि 'फौजी' नाम से पहचाने गए पाकिस्तान स्थित हैंडलर ने कैमरा लगाने के लिए आरोपी को 35,000 रुपये दिए थे। उन्होंने आगे बताया कि आरोपी संदीप सिंह नशा तस्करी में भी शामिल था, जिसने उसी पाकिस्तानी हैंडलर द्वारा ड्रोन के जरिए भेजी गई 1 किलो हेरोइन की सप्लाई के लिए 50,000 रुपये प्राप्त किए थे। इस संबंध में दो अलग-अलग मामले थाना सिटी कपूरथला में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 और 61 तथा आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के तहत एफआईआर नंबर 138 दिनांक 28/4/2026 और थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर में बीएनएस की धारा 152 तथा आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम की धारा 3, 4, 5 और 9 के तहत एफआईआर नंबर 26 दिनांक 29/4/2026 दर्ज किए गए हैं।

सुरक्षा हटाए जाने से नाराज हरभजन सिंह हाई कोर्ट पहुंचे

चंडीगढ़. राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी जॉइन की थी। उन्होंने अपनी सुरक्षा हटाए जाने के मामले में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हरभजन ने अपनी याचिका में पंजाब सरकार से जवाब मांगा है कि आखिर उनकी सुरक्षा क्यों हटाई गई। कुछ दिन पहले ही एक वीडियो सामने आया, जिसमें 'आप' कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह के घर की बाहरी दीवार पर 'गद्दार' लिख दिया था। हरभजन ने इनके खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। दायर याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने एक्शन लेते हुए पंजाब सरकार और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई की अगली तारीख 12 मई तय की गई है।

हमने अपनी शर्तों पर रोका था ऑपरेशन सिंदूर : राजनाथ सिंह

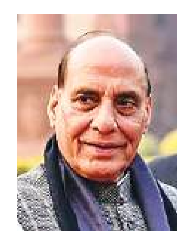

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तीखे अंदाज में पाकिस्तान और आतंकवाद को ललकारा। उन्होंने साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को भारत ने अपनी शर्तों पर स्वेच्छा से रोका था। राजनाथ सिंह ने दो टूक कहा कि अगर जरूरत पड़ती तो भारत लंबी जंग के लिए पूरी तरह तैयार था और आज भी है। देश के पास अचानक जरूरत पड़ने पर अपनी ताकत को कई गुना बढ़ाने की क्षमता है, जो पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुकी है। उन्होंने आतंकवाद को लेकर भारत की नई नीति को बेहद साफ शब्दों में रखते हुए कहा कि अब आतंकवाद और उसे पालने पोसने वालों में कोई फर्क नहीं किया जाएगा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की शून्य सहनशीलता नीति ने भारत को नई दिशा दी है। रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान पर सीधा प्रहार करते हुए उसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि जहां भारत दुनिया में सूचना प्रौद्योगिकी के लिए जाना जाता है, वहीं पाकिस्तान दूसरी तरह की आईटी यानी अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का अड्डा बन चुका है।

अमृतसर में नशा तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश, 10 किलो हेरोइन सहित 3 गिरफ्तार

डीजीपी यादव ने कहा- गिरफ्तार आरोपी लवप्रीत दुबई-आधारित हैंडलर अंतरप्रीत सिंह के इशारे पर कर रहा था काम

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/अमृतसर

काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) व कमिश्नरेट पुलिस अमृतसर ने सरहद पार से चल रहे नशीले पदार्थ और हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए 10 किलो हेरोइन सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी डीजीपी गौरव यादव ने दी। उन्होंने बताया कि सीआई अमृतसर ने 6 किलो हेरोइन सहित एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर नशा तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लवप्रीत सिंह निवासी वैरोवाल रोड, जंडियाला गुरु, अमृतसर के रूप में हुई है। हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा पुलिस टीमों ने नशा तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही उसकी सिल्वर रंग की हुंडई i10 कार (रजिस्ट्रेशन नंबर पी बी 10-सी वी -3211) भी जब्त कर ली है। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। इस संबंध में थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21, 25 और 29 के तहत एफआईआर नंबर 27 दिनांक 29-04-2026 को दर्ज की गई है।

वहीं, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सरहद पार से चल रहे नशीले पदार्थ और हथियार तस्करी मॉड्यूल से जुड़े दो आरोपियों को 4.108 किलोग्राम हेरोइन और चार आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया जिनकी पहचान अरशदीप सिंह उर्फ अरश (21) निवासी गांव लहूका, तरनतारन और तरसेम सिंह उर्फ कैरों उर्फ पहलवान (31) निवासी मोहल्ला जसवंत सिंह नगर, तरनतारन के रूप में हुई है। बरामद पिस्तौलों में दो 9 एमएम ग्लॉक (ऑस्ट्रिया निर्मित) और दो .30 बोर पिस्तौल (चीन निर्मित) तथा पांच जिंदा कारतूस शामिल हैं। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि गैर-कानूनी हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप ड्रोन के जरिए भेजी जाती थी, जिसे बाद में आरोपी आगे सप्लाई करते थे। इस नेटवर्क में शामिल अन्य साथियों की पहचान करने और आगे-पीछे के लिंक स्थापित करने को जांच जारी है।

सीपी अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि कार्रवाई के दौरान आरोपी अरशदीप उर्फ अरश को 2.6 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया गया। आगे की कार्रवाई में पूछताछ के आधार पर सह-आरोपी तरसेम उर्फ कैरों को भी गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से 1.5 किलोग्राम हेरोइन और चार पिस्तौल बरामद किए गए। सीपी ने बताया कि जांच के अनुसार आरोपी तरसेम उर्फ कैरों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, जेल एक्ट और हत्या के प्रयास सहित कुल 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह गैंगस्टर गुरप्रीत सिंह उर्फ कृष्ण (जो वर्तमान में विदेश में रह रहा है) का साथी है। आगे यह भी सामने आया कि गैंगस्टर गुरप्रीत उर्फ कृष्ण ने तरसेम को फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भेजने का लालच देकर अपने लिए काम करने को कहा था। इस संबंध में एफआईआर नंबर-68 26 अप्रैल को एनडीपीएस एक्ट की धाराएं 21-बी, 21-सी और 29 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत थाना छावनी, अमृतसर में दर्ज की गई है।

2010 के बाद बोर्ड परीक्षाओं में असफल रहे छात्रों को विशेष अवसर प्रदान करने के लिए पंजीकरण शुरू

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पीऐसईबी) ने उन विद्यार्थियों के लिए जो पिछले 16 वर्षों में अपनी 10वीं या 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं पास नहीं कर सके, विशेष अवसर (स्पेशल मर्सी चांस) प्रदान करने हेतु ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। योग्य उम्मीदवार 25 मई, 2026 तक पीऐसईबी की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि यह विशेष अवसर उन उम्मीदवारों को दिया जा रहा है जिन्होंने मार्च 2010 से मार्च 2025 के बीच 10वीं या 12वीं कक्षा की परीक्षा दी थी और जिनके री-अपीयर या कंपार्टमेंट के सभी अवसर समाप्त हो चुके हैं, या जो अपनी शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करना चाहते हैं। इसमें वे उम्मीदवार भी शामिल हैं जिन्होंने मार्च 2010 से मार्च 2026 के बीच परीक्षा दी थी और असफल रहे थे, बशर्ते उन्होंने कम से कम एक मुख्य विषय पास किया हो। यह अवसर 10वीं और 12वीं कक्षा की ओपन स्कूल स्ट्रीम के विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन फॉर्म और विस्तृत दिशा-निर्देश पीऐसईबी की आधिकारिक वेबसाइट www.pseb.ac.in पर उपलब्ध हैं।

रिश्वत के आरोप में पटवारी गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार द्वारा अपनाई गई ज़ीरो टॉलरेंस नीति के तहत, राजस्व कार्यालय कट्टू सब-तहसील धनौला, जिला बरनाला में तैनात पटवारी हरमनजीत सिंह को 4000 रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी गांव कट्टू, जिला बरनाला के एक निवासी द्वारा मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पोर्टल पर दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बैंक का कर्ज चुकाने के बाद आरोपी पटवारी ने इस संबंध में जमीन के रिकॉर्ड में एंट्री करने के बदले 5000 रुपये रिश्वत की मांग की। उसने पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पीआरओजीए 2025: नए जिम्मेदार ऑनलाइन गेमिंग इकोसिस्टम का निर्माण

जालंधर ब्रीज. ऑनलाइन गेमिंग के लिए एक राष्ट्रीय ढाँचा स्थापित करने की दिशा में भारत की पहल अवसर और जोखिम के संगम से उत्पन्न हुई है। बीते एक दशक में डिजिटल गेमिंग का तेजी से विस्तार हुआ है, जिसे बड़े पैमाने पर स्मार्टफोन अपनाने, किफायती इंटरनेट कनेक्टिविटी और तकनीक का उपयोग करने और उस पर निर्भर रहने वाली युवा आबादी का समर्थन मिला है। इस विकास ने नवाचार, कौशल विकास, रचनात्मक उद्योगों और रोजगार सृजन के लिए सार्थक अवसरों का सृजन किया है । मनोविनोद के लिए गेमिंग और संगठित प्रतिस्पर्धी प्रारूपों ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता भी प्रदर्शित की है।

इन अवसरों के साथ-साथ, ऑनलाइन मनी गेमिंग—विशेष रूप से सट्टेबाजी और दांव लगाने वाले (यानी बेटिंग वेजरिंग) प्लेटफॉर्मों के अनियंत्रित विस्तार ने गंभीर सामाजिक और आर्थिक चिंताओं को भी जन्मन दिया। ऐसे अनेक सेवा प्रदाता राज्य सीमाओं के पार या विदेशी क्षेत्रों से संचालित होते थे, जो घरेलू सुरक्षा उपायों को नज़रअंदाज़ करते थे और कानूनों को लागू करना कठिन बनाते थे। दबाव बनाने वाले विज्ञापनों और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करने वाले डिज़ाइन फीचर्स ने कमजोर उपयोगकर्ताओं में लत जैसी प्रवृत्तियों और वित्तीय नुकसान को बढ़ावा दिया। वित्तीय संकट, डिजिटल भुगतान प्रणालियों के दुरुपयोग और अस्पष्ट अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन की रिपोर्ट्स ने धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिग और वित्तीय अस्थिरता से जुड़े जोखिमों को उजागर किया। इन परिस्थितियों ने एक ऐसे राष्ट्रीय ढाँचे की आवश्यकता को रेखांकित किया, जो व्यक्तियों—विशेषकर युवाओं—की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए गेमिंग इकोसिस्टम के वैध हिस्सों को जिम्मेदारी से विकसित होने में सक्षम बनाए। ऑनलाइन सोशल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स नामक संगठित प्रतिस्पर्धी प्रारूपों जैसे वैध गेमिंग क्षेत्रों की सहायता के लिए एकीकृत संस्थागत ढाँचे का अभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण था। डेवलपर्स के पास श्रेणीकरण की ऐसी कोई प्रक्रिया नहीं थी, जिसका पहले से अनुमान लगाया जा सके और उपयोगकर्ताओं को अक्सर वैध मनोरंजन और अवैध सट्टेबाजी के बीच फर्क समझने में कठिनाई होती थी। अत: इसका उद्देश्य केवल हानिकारक गतिविधियों पर रोक लगाना नहीं, बल्कि एक संतुलित ढाँचा भी स्थापित करना था, जो उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे और जिम्मेदार नवाचार को भी संभव बनाए।

एस. कृष्णन

(लेखक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार में सचिव हैं।)

ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन अधिनियम, 2025, (पीआरओजीए) इसी संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसे डेवलपर्स, ई-स्पोर्ट्स संगठनों, कानूनी विशेषज्ञों, प्रौद्योगिकी पेशेवरों और सामाजिक संगठनों के हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है। प्राप्त प्रतिक्रियाओं में लगातार पारदर्शी श्रेणीकरण, पूर्वानुमेय अनुपालन दायित्वों और वैध प्रारूपों के लिए व्यअवस्थित व सरल मान्यता प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर जोर दिया गया। हितधारकों ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई मजबूत करते हुए वैध मनोरंजक और प्रतिस्पर्धी गेमिंग को बढ़ावा देने का समर्थन किया।

श्रृंखला का अंतिम चरण पंजीकरण है, जो नियामक दृश्यता प्रदान करता है तथा संतुलित निगरानी और लागू की जा सकने वाली जवाबदेही सुनिश्चित करता है। पंजीकरण आमतौर पर ई-स्पोर्ट्स की मान्यता के बाद होता है या फिर ऑनलाइन सोशल गेम्स की अधिसूचित श्रेणियों पर लागू होता है। यह उन मामलों में भी निर्देशित किया जा सकता है, जहाँ निर्धारण के परिणाम औपचारिक निगरानी की आवश्यकता दर्शाते हैं या जहाँ ओजीएआई जनहित में ऐसी निगरानी को आवश्यक समझता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पंजीकरण पूरे प्लेटफॉर्म पर नहीं ,बल्कि प्रत्येक ऑनलाइन गेम सेवा प्रदाता के अलग-अलग खेलों पर लागू होता है, जिससे अनुपालन यथोचित बना रहता है और साथ ही प्राधिकरणों को अधिकृत खेलों का एक विश्वसनीय रिकॉर्ड बनाए रखने में सहायता मिलती है।

यह वर्तमान ढाँचा प्रतिक्रियात्मक प्रवर्तन से आगे बढ़कर सक्रिय और निवारक शासन की ओर परिवर्तन दर्शाता है। अनुकूल अवधारण प्रारंभिक फिल्टढर के रूप में कार्य करता है, मान्यता वैधता का स्पष्ट फर्क स्थापित करती है, और पंजीकरण नियामक दृश्यता प्रदान करते हुए सही निगरानी और लागू की जा सकने वाली जवाबदेही सुनिश्चित करता है। साथ ही, अवैध ऑनलाइन मनी गेमिंग के खिलाफ कार्यान्वगयन को, विशेष रूप से विदेशी ऑपरेटरों को लक्षित करते हुए समन्वित ब्लॉकिंग, जांच-आधारित ओजीएआई की कार्रवाई और वित्तीय व्यवधान के उपायों के माध्यम से मजबूत किया गया है। यह दो-स्तरीय दृष्टिकोण ढाँचे की मूल विचारधारा: वैध संस्थाओं के लिए हल्के फुल्की नियमन तथा अवैध संचालकों के खिलाफ सख्त कार्यान्वचयन को प्रतिबिंबित करता है।

कार्यान्वचयन के अलावा, यह ढाँचा जिम्मेदार इकोसिस्टनम के विकास के लिए भी अनुकूल परिस्थितियाँ तैयार करता है। स्पष्ट नियामक मार्ग वैध गेमिंग के विकास, प्रतिस्पर्धी अवसंरचना और सहायक डिजिटल सेवाओं में निवेश को प्रोत्साहित करते हैं। ई-स्पोर्ट्स की मान्यता संगठित प्रतियोगिताओं और पेशेवर भागीदारी को सक्षम बनाती है, जबकि विनियमित श्रेणियाँ विकास, अनुपालन, साइबर सुरक्षा और इवेंट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों में सहायता देती हैं। पीआरओजीए के माध्यम से शुरू किया गया यह परिवर्तन बिखरी हुई प्रतिक्रियाओं से आगे बढ़कर पूर्वानुमेय शासन की ओर बदलाव को दर्शाता है। निवारक श्रेणीकरण, वैध मान्यता और जवाबदेह पंजीकरण को एक साथ जोड़कर यह ढाँचा एक स्थिर वातावरण तैयार करता है, जहाँ नवाचार जनहित की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए जिम्मेदारी के साथ विकसित हो सकता है।

भारत की इस जादुई 'मैंगो सिटी' के बारे में 99% लोग नहीं जानते!

Travelling भारत में एक ऐसा शहर है जो अपने खास आमों और ऐतिहासिक विरासत के लिए मशहूर है। जानिए इस शहर की खासियत, घूमने की जगहें और क्यों इसे मैंगो सिटी कहा जाता है।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

भारत में आम को फलों का राजा कहा जाता है और हर राज्य में इसकी अलग-अलग किस्में मिलती हैं। लेकिन एक ऐसा शहर भी है, जो अपने खास आमों की वजह से पूरे देश में अलग पहचान रखता है। यहां के आम स्वाद, खुशबू और क्वालिटी के लिए बेहद प्रसिद्ध हैं, इसलिए इसे 'मैंगो सिटी ऑफ इंडिया' कहा जाता है।

यह शहर है Malda, जो पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में स्थित है। मालदा ना सिर्फ आमों के लिए मशहूर है, बल्कि इसका इतिहास भी काफी समृद्ध रहा है। यहां फजली, हिमसागर और लक्ष्मणभोग जैसे स्वादिष्ट आम बड़ी मात्रा में उगाए जाते हैं, जिन्हें देश-विदेश तक भेजा जाता है।

मालदा के आम क्यों हैं खास?

- मालदा के आम अपने बड़े आकार, मीठे स्वाद और रसदार टेक्सचर के लिए जाने जाते हैं। खासकर फजली आम यहां की पहचान है, जो आकार में बड़ा और स्वाद में बेहद मीठा होता है।

घूमने की जगहें

- मालदा सिर्फ आमों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने ऐतिहासिक स्थलों के लिए भी जाना जाता है।
- गौर (Gaur): यह एक प्राचीन शहर है, जहां कई ऐतिहासिक इमारतें और मस्जिदें देखने को मिलती हैं।
- पांडुआ (Pandua): यहां की मशहूर अदिना मस्जिद और अन्य स्मारक इतिहास प्रेमियों को आकर्षित करते हैं।
- रामकेली (Ramakeli): यह एक धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का स्थान है।

यहां जाने का सही समय

- मालदा घूमने का सबसे अच्छा समय गर्मियों का होता है, खासकर मई से जुलाई के बीच, जब आमों का सीजन होता है। इस समय आप ताजे और अलग-अलग किस्मों के आमों का स्वाद ले सकते हैं।
- अगर आप ज्यादा गर्मी से बचना चाहते हैं, तो अक्टूबर से फरवरी का समय भी अच्छा विकल्प है। इस दौरान मौसम सुहावना रहता है और आप आराम से ऐतिहासिक जगहों की सैर कर सकते हैं। हालांकि इस समय आम नहीं मिलते, लेकिन ट्रैवलिंग के लिए मौसम काफी कंफर्टेबल होता है।

कैसे पहुंचें?

- ट्रेन से: Malda जंक्शन एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है, जहां से देश के कई बड़े शहरों के लिए ट्रेनें मिलती हैं। कोलकाता से यहां तक पहुंचने में लगभग 6-8 घंटे लगते हैं।
- सड़क मार्ग: आप कोलकाता या आसपास के शहरों से बस या निजी गाड़ी से भी आसानी से पहुंच सकते हैं। सड़कें अच्छी हैं और यात्रा आरामदायक रहती है।
- नजदीकी एयरपोर्ट: सबसे नजदीकी एयरपोर्ट Kolkata में है, जहां से सड़क या ट्रेन के जरिए यहां पहुंचा जा सकता है।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

क्यों जाएं इस शहर में?

- स्वादिष्ट और अलग-अलग किस्मों के आम

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर

- लोकल बाजार और ट्रेडिशनल माहौल
- ट्रैवल एक्सपीरियंस: अगर आप आम के शौकीन हैं और साथ ही इतिहास में दिलचस्पी रखते हैं, तो यह शहर आपके लिए परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां का अनुभव आपको लंबे समय तक याद रहेगा।

LIFE MANTRA

सोशल मीडिया ट्रेंड या टॉक्सिक बिहेवियर? समझें 'अल्पाइन डिवोर्स' के बारे में

'अल्पाइन डिवोर्स' सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक खतरनाक रिलेशनशिप ट्रेंड है। जानें इसका क्या मतलब है और क्यों यह रिश्तों के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है...

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

'अल्पाइन डिवोर्स' एक टर्म है, जिसका इस्तेमाल ऐसे व्यवहार के लिए किया जाता है जब कोई पार्टनर अपने साथी को किसी सुनसान, दूर या खतरनाक जगह पर अकेला छोड़ देता है। यह शब्द हाल के समय में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है और इसे एक बेहद गंभीर और चिंताजनक ट्रेंड माना जा रहा है।

सीधे शब्दों में कहें, तो जब आपका साथी आपको किसी बाहरी और असुरक्षित जगह पर छोड़कर चला जाए, तो उसे 'अल्पाइन डिवोर्स' कहा जाता है।

क्यों है यह इतना खतरनाक?

यह ट्रेंड कोई मजाक नहीं, बल्कि किसी की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा भी बन सकता है।

सुनसान जगहों पर अकेला छोड़ना जानलेवा साबित हो सकता है।

वहां मदद मिलने की संभावना बहुत कम होती है।

मानसिक रूप से भी यह गहरा आघात दे सकता है।

रिश्तों में इसका क्या मतलब है?

'अल्पाइन डिवोर्स' किसी रिश्ते में टॉक्सिक और असुरक्षित व्यवहार को दिखाता है। यह बताता है कि पार्टनर में सम्मान, भरोसा और जिम्मेदारी की कमी है। एक हेल्दी रिलेशनशिप में पार्टनर एक-दूसरे की सुरक्षा और भावनाओं का ध्यान रखते हैं, लेकिन इस तरह का व्यवहार रिश्ते को पूरी तरह से तोड़ सकता है।

ऐसे व्यवहार के पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

गुस्सा या बदले की भावना:

कई बार रिश्ते में झगड़े या गलतफहमियों के कारण एक पार्टनर गुस्से में गलत फैसले ले सकता है। बदला लेने या दूसरे को सबक सिखाने की सोच इस तरह के खतरनाक व्यवहार को जन्म दे सकती है, जो आगे चलकर बहुत नुकसानदायक साबित होता है।

रिश्ते में कम्युनिकेशन की कमी : जब पार्टनर्स के बीच खुलकर बातचीत नहीं होती, तो छोटी-छोटी बातें भी बड़ी समस्या बन जाती हैं। अपनी भावनाएं सही तरीके से ना बता पाने की वजह से फ्रस्ट्रेशन बढ़ता है, जो गलत और असुरक्षित व्यवहार में बदल सकता है।

भावनात्मक अपरिपक्वता : कुछ लोग अपनी भावनाओं को सही तरीके से समझ और संभाल नहीं पाते। ऐसे लोग गुस्से, ईगो या छोटी बातों में बहकर बिना सोचे-समझे फैसले ले लेते हैं। यह व्यवहार रिश्ते के लिए बहुत हानिकारक होता है।

दूसरों पर कंट्रोल करने की आदत : कुछ लोगों को अपने पार्टनर पर हावी रहने या उन्हें कंट्रोल करने की आदत होती है। इसके कारण वे ऐसे कदम उठा सकते हैं, जो सामने वाले की सुरक्षा और भावनाओं को नजरअंदाज करते हैं।

क्या करें अगर ऐसा कुछ महसूस हो?

अपने आसपास के लोगों से तुरंत संपर्क करें।

अपनी लोकेशन किसी भरोसेमंद व्यक्ति को भेजें।

ऐसे रिश्ते से दूरी बनाएं।

जरूरत पड़े तो कानूनी मदद लें।

हेल्दी रिलेशनशिप के लिए क्या जरूरी है?

आपसी सम्मान

खुलकर बातचीत

एक-दूसरे की सुरक्षा और भावनाओं का ख्याल, भरोसा और सपोर्ट

***रिलेशनशिप अलर्ट :** 'अल्पाइन डिवोर्स' जैसा ट्रेंड यह दिखाता है कि सोशल मीडिया पर वायरल हर चीज सही नहीं होती। रिश्तों में सुरक्षा और सम्मान सबसे जरूरी होते हैं। अगर कोई व्यवहार आपको असुरक्षित महसूस कराए, तो उसे नजरअंदाज ना करें।*

जब घर में न हो कोई सब्जी, तो बस 2 मिनट में बनाएं यह शाही दही-प्याज की चटनी!

जिस दिन कुछ बनाने का मन ना करे तो ये दही-प्याज की चटनी बना सकती हैं। ये चटनी ऐसी है कि इसके साथ आपको किसी और सब्जी या दाल की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका चटपटा स्वाद घर में सभी को खूब पसंद आएगा।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

क्या आपके साथ भी कभी-कभार ऐसा होता है कि कोई सब्जी खाने का मन नहीं करता? कुछ चटपटा और अलग सा खाने की क्रेविंग होती है? ऐसे टाइम पर आप दही और प्याज की ये चटपटी सी चटनी बनाकर तैयार कर सकती हैं। फटाफट बन जाती है और इसका तीखा और हल्का टैंगी स्वाद लाजवाब लगता है। जिस दिन कुछ बनाने का मन ना करे तो ये दही-प्याज की चटनी बना सकती हैं, घर में हर किसी को पसंद आएगी। ये चटनी ऐसी है कि इसके साथ आपको किसी और सब्जी या दाल की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर आपको दो रोटी की भूख है तो आप आराम से इसके साथ चार रोटी खा लेंगी, क्योंकि इसका चटपटा स्वाद ही कुछ ऐसा है कि पेट भर जाएगा लेकिन मन नहीं भरेगा। तो चलिए फटाफट से इसकी रेसिपी जान लेते हैं।

दही-प्याज की चटनी बनाने के लिए सामग्री

- ये चटपटी सी दही-प्याज की चटनी बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं- साबुत लाल मिर्च, लहसुन की कलियां, गाढ़ा दही, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, जीरा, नमक, प्याज, धनिया पत्ता, तेल और नींबू का रस।

खूब चटपटी और स्वादिष्ट बनती है ये दही-प्याज की चटनी

- सब्जी की जगह कुछ टेस्टी और चटपटा सा खाने का मन है तो फटाफट से दही-प्याज की चटनी बनाकर तैयार कर सकती हैं। घरवाले बड़े शौक से रोटी या चावल के साथ खाएंगे। इसे बनाने के लिए सबसे पहले साबुत लाल मिर्च और लहसुन की कलियों के साथ थोड़ी सी गाढ़ी दही मिलाएं और अच्छे से कूटकर पेस्ट बना लें। आप मिक्सर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।
- दही बहुत ज्यादा नहीं डालनी है क्यों ये चटनी हल्की गाढ़ी ही अच्छी लगती है। अब इसमें बेसिक मसाले जैसे धनिया पाउडर, लाल मिर्च, जीरा और नमक अपने स्वादानुसार एड करें। इसके बाद कटी हुई प्याज और फ्रेश हरा धनिया पत्ता भी एड करें और सभी चीजों को कूटकर एक दरदरा सा पेस्ट बनाकर तैयार कर लें।

तेल में भूनकर बढ़ जाएगा स्वाद

- अब नॉर्मली आप चाहें तो चटनी ऐसे भी खा सकती हैं, लेकिन इसमें असली टेस्ट तो तभी आएगा जब आप इसे तेल में हल्का सा भून लेंगी। इसके लिए कोई दूसरे मसाले एड करने की भी जरूरत नहीं है। बस एक पैन में थोड़ा सा ये गर्म करें और उसमें ये चटनी डाल दें। इसे चलाते हुए तब तक भूनें जब तक चटनी तेल छोड़ना ना शुरू कर दे। इसका सारा कच्चापन निकल जाएगा और टेस्ट काफी बढ़िया आएगा। अब गैस बंद कर दें।
- टिप : चटनी को सर्व करने से पहले उसमें थोड़ा सा नींबू का रस एड कर दें। इससे चटनी का स्वाद और भी बढ़ जाएगा। इसे आप रोटी-पराठे या चावल किसी के साथ भी सर्व कर सकती हैं, ये काफी ज्यादा टेस्टी लगती है।

क्या आप भी बच्चे की पढ़ाई से परेशान हैं? अपनाएं ये टिप्स और देखें जादू!

जालंधर ब्रीज (फीचर) . बच्चों की अच्छी पढ़ाई सिर्फ स्कूल जाने से पूरी नहीं होती। स्कूल किताबी ज्ञान देता है, लेकिन संस्कार और अनुशासन घर से मिलते हैं। एक सफल और आत्मविश्वासी इंसान बनने के लिए पेरेंट्स को इन 9 बातों का ध्यान रखना चाहिए:-

पढ़ाई पर नजर रखें - बच्चा स्कूल जा रहा है, इसका मतलब यह नहीं कि वह पढ़ भी रहा है। रोज देखें कि उसने क्या सीखा और उसे कहाँ दिक्कत आ रही है। इससे बच्चा जिम्मेदार बनता है।

होमवर्क समय पर करवाएं - होमवर्क सीखी हुई चीजों को दोहराने का तरीका है। ध्यान रखें कि बच्चा इसे समय पर पूरा करे। मदद करें, लेकिन काम उसे खुद ही करने दें।

पढ़ाई का माहौल - घर में शांति और एक तय जगह रखें जहाँ बच्चा बिना भटके पढ़ सके। इससे उसकी एकाग्रता बढ़ती है।

स्कूल की बातें सुनें - रोज पूछें कि उसका दिन कैसा रहा। जब आप उसकी बातें सुनते हैं, तो बच्चा खुलकर बात करना सीखता है और आप उसके मन की स्थिति समझ पाते हैं।

समझ पर जोर दें - सिर्फ अच्छे नंबरों की उम्मीद न रखें। बच्चे को रटने के बजाय विषय समझने के लिए मोटिवेट करें। समझकर पढ़ा हुआ ज्ञान जीवन भर काम आता है।

संस्कार देना जरूरी - सच बोलना, बड़ों का सम्मान और अनुशासन किताबों से नहीं, घर के माहौल से मिलते हैं। यह पेरेंट्स की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

प्यार से समझाएं - गलती करने पर डांटने या डराने के बजाय प्यार से बात करें। डर के माहौल में बच्चा खुलकर सीख नहीं पाता और आपसे दूर होने लगता है।

स्क्रीन टाइम तय करें - मोबाइल और टीवी बच्चों का ध्यान भटकाते हैं। इनके इस्तेमाल का समय तय करें ताकि बच्चा खेल और परिवार को भी समय दे सके।

टीचर्स से संपर्क - समय-समय पर स्कूल जाकर टीचर्स से मिलें। इससे आपको बच्चे की असली प्रोग्रेस और सुधार के क्षेत्रों का पता चलेगा।

-याद रखें, आपकी सक्रिय भागीदारी ही आपके बच्चे को क्लास टॉपर और एक बेहतर इंसान बनाएगी।

***डिस्क्लेमर :** यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

14 दिन तक रोज एवाकाडो खाया तो शरीर में दिखेंगे ये 5 चौंकाने वाले बदलाव, डॉक्टर ने बताए फायदे

Health भीषण गर्मी और लू से बीमार नहीं चाहते हैं तो इन 8 आदतों को पूरी गर्मीभर अपनी हैबिट में रखें। जिससे शरीर का टेंपरेचर अचानक से ना बढ़े और बॉडी ठंडी बनी रहे। ये आदतें ही हीटवेव के मौसम में सेफ...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

यूपी,दिल्ली और आसपास के इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। तापमान बढ़ने के साथ ही गर्म हवाएं यानी लू चल रही। ऐसे में घर से बाहर निकलने के साथ ही घर में रहने वालों को भी ध्यान रखने की जरूरत है। शरीर का तापमान तेजी से ना बढ़े और ठंडक बनी रहे, जिससे हीट स्ट्रोक का शिकार ना हो। इसके लिए कुछ अच्छी आदतों को रूटीन में शामिल करिए। जिससे शरीर ठंडा रहे और आप हीटवेव से सुरक्षित रह सकें।

हाइड्रेटेड रहना जरूरी है : घर में हो या फिर बाहर प्यास लगने का इंतजार ना करें। थोड़ी-थोड़ी देर पर पानी पीते रहें। लगातार पानी पीने की आदत आपको डिहाइड्रेशन से बचाएगी। साथ ही शरीर को ठंडा भी रखेगी। इसके अलावा गर्मियों में रोज की हैबिट में कूलिंग ड्रिंक्स को जरूर ऐड करें। कोकोनट वाटर, बटरमिल्क,लेमन वाटर जैसे ड्रिंक्स जरूर पीते रहें। घर से बाहर निकल रहे तो पानी की बोतल के अलावा साथ में ओआरएस का घोल या लेमन वाटर जिसमे शुगर और रॉक साल्ट बराबर मात्रा में मिला हो। पास में जरूर रखें। तेज धूप और गर्मी में धीरे-धीरे घूंट-घूंट करके पीते रहें। तो शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस रहेगा और बॉडी का टेंपरेचर तेजी से नहीं बढ़ेगा।

दोपहर में बाहर निकलना अवॉएड करें : जब तक जरूरी ना हो या फिर आपका काम ना हो दोपहर के 12 से लेकर 4 बजे के बीच जाना अवॉएड करें। हो सके तो बाहर के कामों को 12 से पहले निपटा लें या फिर शाम को 4 बजे के बाद करें।

पेस्टल शेड, लाइटवेट और लूज फैब्रिक पहनें : भयंकर गर्मी में सूरज की तेज किरणों से खुद को बचाना है तो डार्क कलर जैसे ब्लू, ब्लैक, रेड, ऑरेंज जैसे कलर को पहनने से बचें। ये कलर यूवी रेज को तेजी से अब्जॉर्ब करता है। जिससे बॉडी का टेंपरेचर बढ़ेगा। वहीं पेस्टल कलर सन रेज को रिफ्लेक्ट कर देता है। जिससे गर्मी थोड़ी सी कम लगती है। इसके अलावा कॉटन और लूज फैब्रिक के कपड़ों को पहनें। जिससे पसीना सूखता रहे।

बाहर निकले तो सिर और मुंह ढंके : कोशिश करें कि डायरेक्ट सनलाइट मुंह पर ना लगे। छाता और हल्के कॉटन स्कार्फ या रूमाल साथ रखें। जिन्हें आप सिर और मुंह ढंकने के काम में लाएं। डायरेक्ट सन एक्सपोजर बॉडी की हीट बढ़ाता है।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

वाटर रिच फूड्स खाएं : कोशिश करें दिनभर में खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूज जैसे रसीले फल खाएं। तला-भुना, स्पाइसी, तीखा, चटपटा जैसे खाने से दूर रहें जो एकदम से बॉडी में हीट बढ़ा देते हैं।

बहुत ठंडे पानी से ना नहाएं : शरीर बहुत ज्यादा गर्म है तो बिल्कुल ठंडे पानी से ना नहाएं। ये आपके बॉडी को शॉक दे सकता है। रूम के टेंपरेचर पर रखें पानी से ही नहाएं। जिससे बॉडी का टेंपरेचर रेगुलेट रहे।

लू लगने के लक्षणों पर ध्यान दें : अगर बहुत ज्यादा प्यास लग रही और पानी से नहीं बुझ रही, चक्कर, कमजोरी लग रही, एक्सेसिव पसीना निकल रहा, मितली आ रही तो ये लू लगने के लक्षण हो सकते हैं।

लू लगने पर क्या करें : अगर किसी को ऐसे लक्षण दिख रहे हैं तो उसे ठंडी जगह पर रखें। उसे हाइड्रेट करें, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करने की कोशिश करें और अगर कंडीशन ठीक नहीं हो रही तो फौरन डॉक्टर के पास जाएं।

जरूरी है हैबिट बनाना : गर्मियों में लू लगने या हीटवेव से बचना है तो इन चीजों को अपनी आदत का हिस्सा बना लें। तभी भयंकर गर्मी और लू से बचने में मदद मिलेगी।

***डिस्क्लेमर :** यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

किसानों, युवाओं, नौकरियों और विकास के लिए महिलाओं के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक समझौता

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), जिस पर सोमवार को हस्ताक्षर किये जायेंगे, विकसित दुनिया के साथ भारत की सहभागिता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को किसानों, महिलाओं, युवाओं और रोजगार सृजक उद्योगों के लिए ठोस लाभ में बदलने से जुड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण में हुई निर्णायक प्रगति को प्रतिबिंबित करता है। यह एफटीए प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं, जिसमें यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ शामिल हैं, के साथ हुए कई ऐतिहासिक व्यापार समझौतों के बाद हो रहा है। ये समझौते वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं और निर्यातकों को दुनिया की कुछ सबसे लाभकारी अर्थव्यवस्थाओं में, यहां तक कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितता और उथल-पुथल के बीच भी, प्रतिस्पर्धा आधारित बढ़त प्रदान करते हैं।

निर्यात और रोजगार को मजबूत बढ़ावा : दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभकारी इस समझौते के केंद्र में न्यूजीलैंड की यह प्रतिबद्धता है कि वह तुरंत ही सभी भारतीय उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर देगा, जिससे उस बाजार में एक महत्वपूर्ण बाधा दूर होगी, जहाँ हमारे प्रमुख निर्यात पर वर्तमान में 10% शुल्क लगाया जाता है।

यह वस्त्र, कालीन, धागे, कपड़े, फुटवियर, बैग, बेल्ट, वाहन घटक, मशीनरी, उपकरण, रत्न और आभूषण तथा हस्तशिल्प जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाले ये उद्योग भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम की रीढ़ हैं और इन्हें मूल्य प्रतिस्पर्धा और बाजार पहुँच से लाभ मिलेगा। इससे निर्यात बढ़ेगा और निर्माण केन्द्रों, कारीगर समुदायों और लघु उद्यमों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

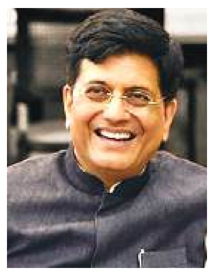

पीयूष गोयल
(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

यह समझौता उस व्यापक दर्शन को प्रतिबिंबित करता है, जो 2014 में मोदी सरकार के गठन के बाद से भारत की व्यापार नीति का मार्गदर्शन कर रहा है। यह समावेश, सशक्तिकरण और साझा समृद्धि में निहित है। व्यापार को राष्ट्रीय परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखा जाता है, जो किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदायों को लाभ पहुंचाता है।

नारी शक्ति : इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत का पहला महिला-नेतृत्व वाला एफटीए है। वार्ता टीम की लगभग सभी सदस्य महिलायें थीं। इनमें मुख्य वार्ताकार, उप मुख्य वार्ताकार, क्षेत्र प्रमुख और न्यूजीलैंड में भारत की राजदूत शामिल हैं।

यह उपलब्धि मोदी सरकार में महिलाओं के बढ़ते महत्व को दर्शाती है। यह शासन, नेतृत्व और विभिन्न क्षेत्रों में निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है और राष्ट्रीय विकास के संचालक के रूप में नारी शक्ति के विचार को सुदृढ़ करती है।

किसान पहले : एफटीए की संरचना कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गयी है। न्यूज़ीलैंड कीवी, सेब और शहद के लिए कृषि उत्पादकता कार्ययोजनाओं का समर्थन करेगा। इन पहलों में बेहतर बीज सामग्री, अनुसंधान सहयोग, किसानों के लिए क्षमता निर्माण, बागवानी प्रबंधन प्रथाएं, कटाई के बाद सुधार, खाद्य सुरक्षा प्रणाली और उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना शामिल है। सेब उत्पादकों और सतत मधुमक्खी पालन तौर-तरीकों के लिए परियोजनाएं उत्पादन और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाएंगी, जिससे कृषि समृद्धि में वृद्धि होगी।

इसके साथ ही, भारत ने अपने प्रमुख कृषि हितों की मजबूती से सुरक्षा की है। डेयरी उत्पादों (जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही और पनीर); प्याज, चना, मटर, मकई, बादाम, चीनी और कुछ ख़ास तेल और वसा जैसी संवेदनशील वस्तुओं को शुल्क छूट से बाहर रखा गया है। समझौता सुनिश्चित करता है कि घरेलू किसान हानिकारक आयात प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित रहें। किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा करना सभी व्यापार वार्ताओं में भारत के दृष्टिकोण का केंद्र रहा है।

युवा और पेशेवर : समझौते का एक प्रमुख स्तंभ छात्रों और कुशल पेशेवरों के लिए बढ़ी हुई आवागमन की सुविधा है, जो भारत के युवाओं के लिए नए वैश्विक मार्ग का निर्माण करती है।

किसी भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते में पहली बार, न्यूजीलैंड ने भारतीय छात्रों के आवागमन और अध्ययन के बाद काम करने के अवसरों के लिए एक संरचना-युक्त रूपरेखा पेश की है। भारतीय छात्रों पर कोई संख्यात्मक सीमा नहीं है।

पेक में एम्बेडेड आर्किटेक्चर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़ के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने आज एम्बेडेड आर्किटेक्चर विषय पर एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया। यह लेक्चर 2017 बैच (ईईड) के पूर्व छात्र श्री निखिल अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो वर्तमान में एवरप्योर स्टोरेज सिस्टम्स, प्योर स्टोरेज में फर्मवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। इस अवसर पर डॉ. जयमाला जिंदल एवं विभागाध्यक्ष प्रो. रिंटू खन्ना उपस्थित रहे।

अपने व्याख्यान में श्री अरोड़ा ने एम्बेडेड आर्किटेक्चर की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सिस्टम बाहरी संकेतों पर कैसे प्रतिक्रिया करता है। उन्होंने सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि मोबाइल फोन टच को कैसे पहचानता है और कंप्यूटर कीबोर्ड के बटन दबाने को कैसे दर्ज करता है, जिससे जटिल विषय विद्यार्थियों के लिए सहज हो गए। उन्होंने एम्बेडेड सीपीयू के 50 वर्षों के विकास को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने एम्बेडेड सिस्टम्स में उपयोग होने वाली चार प्रमुख विधियों—पोलिंग, इंटरप्ट्स, टाइम्ड चेक (डिफर्ड पोल) तथा डायरेक्ट मेमोरी एक्सेस (डीएमए) एवं हार्डवेयर क्यूज़—पर विस्तार से चर्चा की।

इस सत्र में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उद्योग से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर सराहा। यह व्याख्यान शैक्षणिक ज्ञान को वास्तविक तकनीकी अनुप्रयोगों से जोड़ने का एक प्रभावी मंच सिद्ध हुआ।

नार्को सिंडिकेट के खिलाफ मोदी सरकार की 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति का यह परिणाम है

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

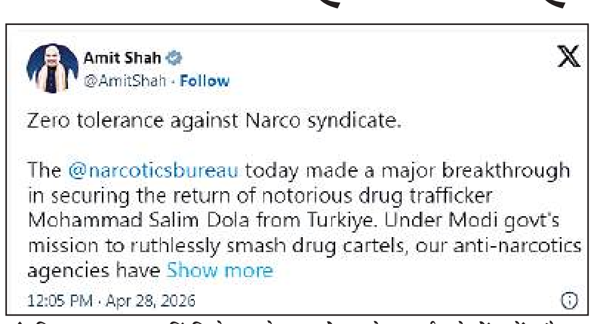

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि नार्को सिंडिकेट के खिलाफ मोदी सरकार की 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति के अनुरूप, NCB ने आज तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को वापस लाने में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

X प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार की नार्को सिंडिकेट के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत NCB ने आज तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को वापस लाने में एक बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के ड्रग कार्टेल को पूरी तरह से खत्म करने के मिशन के तहत, हमारी नार्कोटिक्सरोधी एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के एक मज़बूत नेटवर्क के ज़रिए सीमाओं के पार भी अपनी पकड़ बना ली है। शाह ने कहा कि ड्रग सरगना कहीं भी छिप जाएं, अब उनके लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, सलीम डोला की वापसी सरकार के सभी नार्कोटिक्स भगोड़ों और संगठित अपराध सिंडिकेट के सदस्यों को कानून के कटघरे में लाने के मज़बूत इरादे को दर्शाती है।

NCB ने अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर, 'ऑपरेशन ग्लोबल-हंट' के तहत वांछित ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को तुर्की से वापस लाने में सफलता हासिल की है। आज सुबह नई दिल्ली के IGI हवाई अड्डे पर पहुँचते ही NCB ने उसे हिरासत में ले लिया।

सलीम डोला (59 वर्ष, मुंबई निवासी) के खिलाफ मार्च, 2024 में भारत के अनुरोध पर INTERPOL रेड नोटिस जारी किया गया था। भारत में कई नशीले पदार्थों की तस्करी के मामलों में मुकदमा चलाने के लिए उसकी तलाश थी और वह भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की गिरफ्त से बाहर था। पिछले कुछ वर्षों में, डोला ने मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप के कई देशों में फैला हुआ एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट खड़ा कर लिया था। डोला के दो दशकों के आपराधिक इतिहास में महाराष्ट्र और गुजरात में हेरोइन, चरस, मेफेड्रोन, मैंड्रेक्स और मेथामफेटामाइन की बड़ी खेप पकड़े जाने से जुड़े मामलों में डोला की सीधी भूमिका है। सलीम डोला की भूमिका भारत में निचले स्तर के वितरण नेटवर्क के लिए एक थोक सप्लायर के रूप में लगातार सामने आती रही है। इसके अलावा, गुजरात ATS और मुंबई पुलिस को भी उसकी तलाश थी। इससे पहले, उसके बेटे ताहिल सलीम डोला और अन्य सहयोगियों को 2025 में UAE से प्रत्यर्पण/वापसी के बाद मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। यह प्रयास तुर्की के अधिकारियों, INTERPOL और भारतीय एजेंसियों के बीच बेहतर सहयोग और समन्वित कार्रवाई का एक बेहतरीन उदाहरण है।

कुपोषण के समाधान के लिए डेटा का उपयोग

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

पोषण निगरानी ऐप

हममें से कई लोग अपने डॉक्टरों को इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड में जानकारी दर्ज करते हुए देखते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ये डेटा समय के साथ हमारे स्वास्थ्य की निगरानी करने में मदद करेंगे, जोखिमों की शुरुआत में ही पहचान कर लेंगे और समय पर कार्रवाई को निर्देशित करेंगे। डिजिटल प्रणालियाँ केवल डेटा संग्रह के कारण ही नहीं, बल्कि जानकारी को निर्णय और बेहतर देखभाल में बदलने में मदद करने की वजह से सबसे बेहतर काम करती हैं।

महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2021 में लॉन्च किए जाने के बाद, पोषण निगरानी ऐप ने पोषण सेवा अदायगी डेटा को अधिक कार्रवाई-योग्य बनाने का प्रयास किया है। इसका उद्देश्य केवल डिजिटलीकरण करना नहीं, बल्कि बाल विकास और पोषण सेवाओं को दर्ज करने और समीक्षा करने में अधिक गंभीरता और निरंतरता लाना है।

पोषण निगरानी में नियमित रूप से एकत्र किए गए वृद्धि डेटा को अंतिम सिरे पर खड़े व्यक्ति के लिए सार्थक निर्णयों में बदलने की क्षमता है। मासिक वृद्धि निगरानी—यदि सही ढंग से मापी जाए और लगातार रिकॉर्ड की जाए—तो जोखिम के शुरुआती संकेत प्रदान कर सकती है। एक एकल, निरंतर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, वृद्धि रुझानों को पूरक पोषण उपायों से जोड़ने में मदद कर सकता है, जैसे घर ले जाने वाला राशन, देखभाल करने वालों का परामर्श और गंभीर कुपोषण से पीड़ित बच्चों को स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करना आदि।

इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए, हमें डैशबोर्ड से निर्णय की ओर और गणना से देखभाल की ओर बदलाव करने की आवश्यकता है। अंतर्निहित संकेत, सरल चेकलिस्ट और चेतावनी; आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कमजोर या गंभीर कुपोषण के शिकार बच्चों के लिए बाद की कार्रवाई करने में मदद कर सकती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा आरसीएच 2.0 पोर्टल के डेटा के साथ एकीकरण, समन्वय की साथ की गयी घर की यात्रा के जरिये रेफरल फॉलो-अप को और भी मजबूत कर सकता है।

प्रो. लिंडसे जैक्स
(लेखिका एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में वैश्विक स्वास्थ्य और पोषण की प्रोफेसर हैं।)

वर्तमान में, एकत्रित वृद्धि डेटा एक महत्वपूर्ण शुरुआती बिंदु प्रदान करता है। मापन प्रथाओं और प्रणाली समर्थन में सुधारों के साथ, यह समय पर निर्णय लेने में भरोसेमंद जानकारी प्रदान कर सकता है। सटीक निर्णय मूलभूत चीज़ों को ठीक करने पर निर्भर करते हैं—भरोसेमंद मापन, सही तकनीकें और कार्यात्मक उपकरण। यदि किसी बच्चे की ऊँचाई या वजन एक महीने में असामान्य रूप से बदलता है, तो प्रणाली को सत्यापन या पुनः मापन का संकेत देना चाहिए। ऐप में शामिल छोटे माइक्रो-वीडियो देखभाल के स्थल पर वजन पैमाने और लंबाई बोर्ड के सही उपयोग को सुदृढ़ कर सकते हैं। समान रूप से महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में माप-संकेत वाले और कार्यात्मक उपकरण मौजूद हों। ये मूलभूत बातें वृद्धि निगरानी डेटा की उपयोगिता को मजबूत करने के लिए आवश्यक हैं।

पोषण निगरानी डेटा का विश्लेषण डैशबोर्ड से निर्णय लेने की प्रक्रिया में बदलाव का भी समर्थन कर सकता है। सबसे पहले, हमें पता होना चाहिए कि कुपोषण की सबसे अधिक संभावना कब होती है—किस उम्र में और वर्ष के किन महीनों में। क्या यह जन्म के समय होता है? या क्या 0 से 3 महीने या 3 से 6 महीने महत्वपूर्ण हैं, जब माताओं को केवल स्तनपान कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है? या यह 6 महीने से 1 साल के दौरान होता है, जब पर्याप्त, उचित और सुरक्षित पूरक आहार की आवश्यकता होती है?

पोषण निगरानी डेटा के विश्लेषण से हमें उन बच्चों के बारे में और ज़्यादा जानने में भी मदद मिल सकती है जो कुपोषण से ठीक हो जाते हैं। क्या कुछ खास ज़िलों के बच्चों में ठीक होने की संभावना ज़्यादा होती है? क्या खरीफ फसल की कटाई वाले महीनों के दौरान बच्चों के ठीक होने की संभावना अधिक होती है? इसी तरह, ऐसे विश्लेषण हमें उन बच्चों के बारे में और भी बहुत कुछ बता सकते हैं जो अपने पूरे बचपन के दौरान बार-बार या लगातार कुपोषण का शिकार होते रहते हैं। क्या ये वे बच्चे हैं, जो जन्म के समय से ही कुपोषण के शिकार थे और बाद में भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए? क्या ये वे बच्चे हैं, जिन्हें घर ले जाने वाला राशन नियमित रूप से नहीं मिल रहा है? इस तरह की जानकारी होने पर, स्थानीय स्तर पर पोषण सेवा अदायगी को बेहतर बनाया जा सकता है।

डेटा पर भरोसा बढ़ाना, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के कार्यभार में कमी लाने के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। प्रणाली में विश्वास बढ़ने के साथ, अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्राथमिक रिकॉर्ड के रूप में ऐप का उपयोग करने की शुरुआत कर रहे हैं। हालांकि, कई जगहों पर, संचार-संपर्क की समस्याओं या अनुपालन आवश्यकताओं के कारण डिजिटल प्रविष्टि के साथ-साथ कागजी रजिस्टर भी रखे जाते हैं। ऑफ़लाइन कार्यक्षमता को मजबूत करना, डेटा की विश्वसनीयता में सुधार करना और डिजिटल-प्रथम कार्यप्रवाह पर स्पष्टता प्रदान करना, सेवा स्थल पर डेटा प्रविष्टि की ओर बदलाव को गति देने और दोहरी रिपोर्टिंग की आवश्यकता को कम करने में मदद कर सकता है। प्रणाली को परिष्कृत करने में अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को शामिल करने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है कि ऐप उनके काम में सहायक हो।

भारत-न्यूज़ीलैंड ने नए आर्थिक संघ की शुरुआत की दोनों देशों के लोगों के लिए एक लाभकारी समझौता

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल था: तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी - जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है। देश ने पूर्व —इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र — की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूज़ीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देश मिला।

राजेश अग्रवाल
(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नज़र में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूज़ीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं— ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी — यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता है: 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूजीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता है: उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है।

बेहतर बाजार पहुंच : एफटीए स्पष्टता और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कृत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्युमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी है: यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थी। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात करता है और शून्य-शुल्क पहुँच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाज़ार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक—ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ़ की वजह से बाधित थे—अब आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पद्म पुरस्कार-2027 के लिए 31 जुलाई, 2026 तक किए जा सकेंगे नामांकन

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) : गणतंत्र दिवस, 2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन नामांकन/सिफारिशें 15 मार्च 2026 से शुरू हो गई हैं। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2026 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/सिफारिशें राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी।

पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित, इन पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत 'उत्कृष्ट कार्य' के लिए सम्मानित किया जाता है। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी सेवक, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी सेवक भी शामिल है, पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं हैं।

सरकार पद्म पुरस्कारों को "पीपल्स पद्म" बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अतः, सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे नामांकन/सिफारिशें करें। नागरिक स्वयं को भी नामित कर सकते हैं। महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग व्यक्तियों और समाज के लिए निस्वार्थ सेवा कर रहे लोगों में से ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान करने के ठोस प्रयास किए जा सकते हैं जिनकी उत्कृष्टता और उपलब्धियां वास्तव में पहचाने जाने योग्य हैं।

नामांकन/सिफारिशों में पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें वर्णनात्मक रूप में एक उद्धरण (citation) (अधिकतम 800 शब्द) शामिल होना चाहिए, जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/अनुशासन में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया हो।

इस संबंध में विस्तृत विवरण गृह मंत्रालय की वेबसाइट (https://mha.gov.in) पर 'पुरस्कार और पदक' शीर्षक के अंतर्गत और पद्म पुरस्कार पोर्टल (https://padmaawards.gov.in) पर उपलब्ध हैं। इन पुरस्कारों से संबंधित संविधि (statutes) और नियम वेबसाइट पर https://padmaawards.gov.in/AboutAwards.aspx लिंक पर उपलब्ध हैं।

नारंगी अर्थव्यवस्था : जनजातीय कला, हस्तशिल्प और आजीविका

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

वर्शांग खैयर मणिपुर के उखरूल जिले के लॉन्गपी गाँव के निवासी हैं, जो अपने और अपने परिवार की रोजी-रोटी गाँव में उपलब्ध गारे और सर्पेंटीनाइट पत्थर से बर्तन बनाकर कमाते हैं। स्थानीय तांगखुल नागा जनजातियों के अनुसार, यह पारंपरिक शिल्प, देवी पंथोइबी की कृपा है और आज यह उनकी आय का मुख्य स्रोत है और इसने छोटे से गाँव को वैश्विक मानचित्र पर ला दिया है। इसी तरह, नॉर्थी कुट्टन, जो तमिलनाडु के उद्हगमंडलम जिले के पागलकोड मंड गाँव में रहते हैं, पारंपरिक कढ़ाई कला से अपनी आजीविका कमा रहे हैं। इस कढ़ाई कला का उपयोग नीलगिरी के हरे-भरे जंगलों में बसे टोडा जनजाति समूह द्वारा किया जाता है। जीआई टैग से युक्त यह शिल्प प्रकृति और सामुदायिक बंधन का जश्न मनाता है और इसे बहुत ही सुंदरता के साथ टेबल मैट, रनर, जैकेट आदि पर अंकित किया जाता है और समकालीन उपयोग में इसे लोकप्रियता भी मिली है। खैयर और कुट्टन दोनों अपने पारंपरिक जनजातीय कला रूपों के एक उन्नत रूप का अभ्यास करके सालाना लगभग 6-8 लाख रुपये कमाते हैं।

जनजातीय आजीविका लंबे समय से ज्ञान और पारंपरिक प्रथाओं पर आधारित रही है, जहां रचनात्मकता शिल्प, परंपरा, वस्त्र, संगीत, नृत्य, कथा-वाचन और भाषाओं में निहित है। ये केवल उत्पाद या सेवाएं नहीं हैं, बल्कि ज्ञान की जीवित विरासत हैं, जो पीढ़ियों के माध्यम से आगे बढ़ती हैं। जनजातीय समुदायों के पास मौजूद रचनात्मक संपत्तियों का महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य है, जिसे यदि परंपरा के प्रति संवेदनशील रहते हुए सतत तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह नारंगी अर्थव्यवस्था (ऑरेंज इकोनॉमी) को गति दे सकता है और इस इकोसिस्टम के तहत आय उत्पन्न करने वाली गतिविधियों का सृजन कर सकता है।

रंजना चोपड़ा
(लेखिका जनजातीय कार्य मंत्रालय में सचिव हैं)

रचनात्मक अर्थव्यवस्था को दर्शाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली नारंगी अर्थव्यवस्था, यूएनसीटीएडी (संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन) के अनुमान के अनुसार 2 ट्रिलियन डॉलर से 2.25 ट्रिलियन डॉलर के बीच है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 3.1% है। भारत में, जहाँ हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए ठोस डेटा मौजूद है, वहीं जनजातीय शिल्प और आजीविका के लिए डेटा की कमी है। हालांकि, रणनीतिक निहितार्थ स्पष्ट है: जनजातीय कला और शिल्प कुछ ऐसी ग्रामीण आजीविकाएं हैं, जो वैश्विक रचनात्मक वस्तुएँ की मांग से सीधे जुड़ सकती हैं यदि प्रामाणिकता, लॉजिस्टिक्स और गुणवत्ता प्रणाली मौजूद हों।

अनुमान है कि भारत की अनुसूचित जनजाति की आबादी 104 मिलियन है और कुल आबादी में इसकी हिस्सेदारी लगभग 8.6% है। लगभग 700 अलग-अलग जनजातीय समुदाय विभिन्न पारिस्थितिक क्षेत्रों में निवास करते हैं: जंगल, पहाड़, मैदान और सीमा क्षेत्र। इस विविधता का प्रत्यक्ष आर्थिक संबंध है। यह पारिस्थितिकी के अनुसार शिल्प विशेषज्ञता को प्रतिबिंबित करता है, जैसे जंगल वाले क्षेत्रों में बांस और छड़ी, खनिज क्षेत्रों में धातु और मिट्टी, और बुनाई गलियारों मां वस्त्र परंपराएँ। इसके परिणामस्वरूप, भारत के जनजातीय क्षेत्र; एकल जनजातीय शिल्प क्षेत्र के बजाय "विविध अर्थव्यवस्थाओं" से युक्त हैं। इसलिए, नीति निर्माण क्षेत्रीय रूप से भिन्न होना चाहिए और "सभी के लिए उपयुक्त एक ही शिल्प योजना" नहीं होनी चाहिए। नीतियों को कच्चे माल की सीमाओं, डिज़ाइन और गुणवत्ता संबंधी मुद्दों और बाजार संबंधों को ध्यान में रखना चाहिए।

जनगणना-2027 : जिले में 14 मई तक करवाई जाएगी स्व-गणना, 15 मई से 13 जून तक घर-घर जाकर किया जाएगा सर्वेक्षण

डिप्टी कमिश्नर ने की अहम बैठक, अधिकारियों को जनगणना पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी से पूरा करने के निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने जनगणना-2027 संबंधी एक महत्वपूर्ण बैठक करते हुए बताया कि जिले में जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसके तहत स्व-गणना 30 अप्रैल से 14 मई तक करवाई जाएगी। इसके बाद 15 मई से 13 जून 2026 तक नियुक्त गणनाकर्ता घर-घर जाकर जनगणना प्रक्रिया संबंधी विवरण एकत्र करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि जनगणना के आंकड़े सही और स्पष्ट तौर पर प्राप्त किए जा सकें।

इस अवसर पर उनके साथ अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) अमनिंदर कौर और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) तेजदीप सिंह सैनी भी उपस्थित थे। वालिया ने बताया कि स्व-गणना के माध्यम से जिले के निवासी स्वयं ऑनलाइन पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर अपने परिवार से संबंधित जानकारी भरकर पंजीकरण कर सकते है। उन्होंने बताया कि जिन परिवारों ने पहले ही ऑनलाइन स्व-गणना कर ली होगी, उन्हें गणनाकर्ता को केवल अपनी स्व-गणना आईडी दिखानी होगी, जिससे जानकारी का सत्यापन हो जाएगा और दोबारा फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया बहुत आसान और सहज है, जिसके लिए लोगों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि जिन परिवारों ने स्व-गणना नहीं की होगी, उनके घर जाकर नियुक्त गणनाकर्ता पूरी जानकारी दर्ज करेगा। संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने जनगणना से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को नियमों के अनुसार पूरा करने के निर्देश दिए। वालिया ने इस दौरान जनगणना के लिए तैनात स्टाफ को दी गई ट्रेनिंग का भी जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को अंतिम अवसर देते हुए कहा कि अगले सप्ताह होने वाली ट्रेनिंग में उपस्थित न होने वाले कर्मचारियों के खिलाफ उनके विभागाध्यक्षों को अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा, साथ ही उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने जिला निवासियों से अपील की कि प्रक्रिया को पूरा करवाने में गणनाकर्ताओं का पूरा सहयोग करें।

डिप्टी कमिश्नर ने ज़िले में स्व-गणना की शुरूआत करवाई

डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने जनगणना-2027 के तहत ज़िले में स्व-गणना की शुरूआत करवाई है, जो 14 मई तक होगी। डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने आज स्वंय ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपना विवरण दर्ज किया। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि स्व-गणना एक ऐसी सुविधा है, जिसके ज़रिए आम लोग स्वंय अपनी जानकारी सरकारी पोर्टल पर रजिस्टर कर सकते है। उन्होंने कहा कि इसके लिए नागरिकों को सरकार के अधिकारिक जनगणना पोर्टल se.census.gov.in पर जाना होगा। उन्हें अपने मोबाइल नंबर और बेसिक जानकारी का इस्तेमाल करके पोर्टल पर लॉग इन करना होगा। इसके बाद पोर्टल पर मांगी गई जानकारी भरनी होंगी। जैसे ही फॉर्म सफलतापूर्वक सबमिट होगा, पोर्टल नागरिक को एक 'सेल्फ-एन्यूमरेशन आई डी' (SE ID) जेनरेट करेगा। जब जनगणना कर्मचारी घर पर आएंगे, तो नागरिक को सिर्फ़ यह आई.डी. दिखानी होगी। इससे जानकारी वेरीफ़ाई हो जाएगी और दोबारा फ़ॉर्म भरने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। डिप्टी कमिश्नर ने ज़िलावासियों से स्व-गणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। इस मौके पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) अमनिंदर कौर और ज्वाईंट कमिश्नर, नगर निगम सुमनदीप कौर भी मौजूद थी।

सरकार की लोक कल्याण योजनाओं से कोई भी योग्य लाभार्थी वंचित नहीं रहना चाहिए : डिप्टी कमिश्नर

कहा- मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना का लाभ ज़मीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए एस.डी.एम. लगातार निगरानी सुनिश्चित बनाएं

जालंधर (जालंधर ब्रीज). डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लोक कल्याण योजनाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि इन योजनाओं को उचित ढंग से लागू किया जाए, ताकि कोई भी योग्य लाभार्थी सुविधाओं से वंचित न रहे। यहां ज़िला प्रशासकीय कॉम्प्लेक्स में समीक्षा बैठक करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत जिले में बनाए जा रहे कार्डों का जायजा लिया। इस मौके पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) अमनिंदर कौर और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास) तेजदीप सिंह सैणी भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा इस योजना के तहत राज्य के प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक के नकदरहित इलाज की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ ज़मीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए एस.डी.एम. को योजना की नियमित निगरानी सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी हिदायत दी कि कार्ड बनाने के लिए लगाए जा रहे कैंपों की लगातार समीक्षा के साथ-साथ ऑपरेटरों से संपर्क बनाए रखा जाए और यदि कहीं कोई समस्या आती है तो उसे तुरंत हल किया जाए, ताकि कार्ड बनाने आने वाले लोगों को कोई असुविधा न हो। उन्होंने इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए व्यापक जागरूकता पर भी ज़ोर दिया।

डिप्टी कमिश्नर ने एक अलग बैठक के दौरान स्वामित्व-मेरा घर मेरे नाम योजना के तहत जिले के गांवों में चल रहे ग्राउंड ट्रूथिंग (डोर-टू-डोर सर्वे) के काम की समीक्षा करते हुए इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कुछ गांवों में लंबित ग्राउंड ट्रूथिंग का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि नक्शा-1 की ग्राउंड ट्रूथिंग के लिए गांवों में आने वाले पटवारियों को सहयोग दिया जाए। उन्होंने यह भी अपील की कि नक्शा-3 संबंधी आपत्तियां निर्धारित समय के अंदर संबंधित तहसीलदारों को दी जाए, ताकि इनका जल्द से जल्द निपटारा किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री अरोड़ा ने मॉनसून से पहले सीवरेज की समय पर सफाई, सख्त निगरानी और रिपोर्टिंग के दिए निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, बिजली और स्थानीय निकाय से संबंधित कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज सभी नगर निगम कमिश्नरों और अतिरिक्त उपायुक्तों (जी एंड यूडी) को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में सीवरेज सिस्टम की समय पर और योजनाबद्ध तरीके से सफाई तथा गाद (कीचड़) निकालने को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मॉनसून सीजन से पहले तैयारियों पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि यदि समय पर गाद नहीं निकाली जाती, तो शहरी क्षेत्रों में जलभराव हो जाता है, सीवर ओवरफ्लो होने लगते हैं, यातायात बाधित होता है और लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियों से बचने और ड्रेनेज प्रणाली के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जाने चाहिए। संजीव अरोड़ा ने बताया कि सीवर की सफाई और गाद निकालने के लिए पहले ही ठेके दिए जा चुके हैं और सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे कार्य तुरंत शुरू करें और मॉनसून शुरू होने से पहले निर्धारित समय-सीमा के भीतर इन्हें पूरा करें। उन्होंने निचले और जलभराव वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

सीवर से समय पर गाद निकालने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि इससे वर्षा के पानी का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित होता है, भारी बारिश के दौरान जलभराव के जोखिम में काफी कमी आती है और सीवर लाइनों के ओवरफ्लो को रोका जा सकता है, जिससे शहरों में स्वच्छता बनी रहती है। यह डेंगू, मलेरिया और हैजा जैसी जलजनित बीमारियों के प्रसार को कम करने में भी सहायक है। सीवरेज की नियमित सफाई से इसके बुनियादी ढांचे की समग्र कार्यक्षमता लंबे समय तक बनी रहती है। इससे सड़कों और सार्वजनिक संपत्ति को खड़े पानी से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है। यह सुचारू यातायात सुनिश्चित करता है और बारिश के दौरान होने वाली असुविधाओं को कम करता है। इससे विशेषकर घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में बेहतर जनस्वास्थ्य और स्वच्छता सुनिश्चित की जा सकती है। सफाई संबंधी समस्याओं के अग्रिम समाधान से आपातकालीन रखरखाव पर होने वाले खर्चों में भी कमी आती है।

एडवोकेट जीएस घुम्मण और एडवोकेट जीपीएस घुम्मण 'आप' में शामिल

पार्टी में शामिल होने के बाद घुम्मन ब्रदर्स ने कहा कि हम मुख्यमंत्री भगवंत मान के काम करने के तरीके और राज्य में हो रहे अच्छे बदलावों से बहुत प्रभावित हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

गुरुवार को एडवोकेट जीएस घुम्मण और जीपीएस घुम्मण आप में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आधिकारिक तौर पर दोनों भाइयों का पार्टी में स्वागत किया और उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रतिष्ठित और बुद्धिजीवी वर्ग का 'आप' से जुड़ना इस बात का सबूत है कि राज्य सरकार की 'ईमानदार राजनीति' में जनता का भरोसा मजबूत हो रहा है। कानूनी हलकों में 'घुम्मण ब्रदर्स' के नाम से मशहूर जीएस घुम्मण और जीपीएस घुम्मण न सिर्फ सफल वकील हैं, बल्कि समाज के अलग-अलग वर्गों में भी उनकी गहरी पैठ है। उनके पार्टी में शामिल होने से आम आदमी पार्टी को खासकर कानूनी मोर्चे पर और माझा-मालवा इलाके में, काफी मजबूती मिलेगी।

पार्टी में शामिल होने के बाद घुम्मन ब्रदर्स ने कहा कि हम मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के काम करने के तरीके और राज्य में हो रहे अच्छे बदलावों से बहुत प्रभावित हैं। हम पंजाब के विकास और आम आदमी की आवाज़ उठाने के लिए पूरी लगन से काम करेंगे।

पंजाब मे भाजपा की सरकार बनने पर वेस्ट विधानसभा से असामाजिक तत्वों का सफाया होगा : शीतल अंगुराल

जालंधर वेस्ट विधानसभा से हल्का इंचार्ज पूर्व विधायक शीतल अंगुराल ने मंडल प्रधानो के साथ विशेष बैठक की

जालंधर (जालंधर ब्रीज). भारतीय जनता पार्टी जालंधर शहरी हलका वेस्ट के इंचार्ज शीतल अंगुराल की अध्यक्षता में विशेष बैठक जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की मंडल अध्यक्ष कुणाल शर्मा,मुनीश बल,अजय ठाकुर के साथ सम्पन्न हुई। इस बैठक के दौरान भाजपा नेताओं ने आने वाले दिनों मे जिला स्तरीय अभियास वर्ग की तैयारी हेतु चर्चा की। वही भाजपा नेताओं ने वेस्ट विधानसभा मे एसआईआर को लेकर चर्चा की है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक शीतल अंगुराल ने कहा मौजूदा पंजाब सरकार हर फ्रंट पर फेल हो गई है। जिसके चलते वेस्ट विधानसभा हल्के मे हर तरफ नशा तस्करी, गुंडागर्दी, अवैध कारोबार और समाज विरोधी लोगों का बोलबाला है। इसलिए बंगाल के बाद पंजाब मे भाजपा की पंजाब सरकार बनने पर वेस्ट विधानसभा से हर प्रकार के असामाजिक तत्वों, नशा तस्करों, अवैध कारोबारियों का पूर्ण रूप से सफाया होगा। शीतल ने कहा भाजपा के राज मे किसी भी स्तर पर कोई भी किसी प्रकार का गैरकानूनी कार्य करने वाला कोई अपराधी बख्शा नहीं जाएगा। क्योंकि भाजपा के शासन मे जनता शहर का विकास होगा और हर प्रकार के अपराधियों का विनाश होगा। वहीं, मंडल प्रधान कुनाल शर्मा ने कहा वेस्ट विधानसभा के हर बूथ पर एसआईआर का कार्य बेहद जरुरी है। क्योंकि कुछ बाहरी लोगों की वोट अवैध और डबल बनी हुई है जिसको ठीक करना बेहद जरूरी है। वेस्ट विधानसभा के मंडल 10 से प्रधान मनीष बल ने कहा हमारे बस्ती बावा खेल इलाके मे भी सफाई,सीवरेज एवं पार्कों हालात बेहद खराब चल रही है जिसको ठीक करने मे नगर निगम पूरी तरह फेल हो गई है। इसी दौरान प्रधान अजय ठाकुर बोले कि बस्ती शेख इलाके में गंदे पानी टूटी सड़कों की सप्लाई से इलाके में सभी लोग परेशान है। इस वेस्ट विधानसभा के लोगो को सुरक्षा सुविधा देने मे आम आदमी पार्टी की सरकारी पूरी तरह फेल साबित हो चुकी है।

आम आदमी क्लीनिकों के मेडिकल अधिकारियों को नवजात शिशु देखभाल पर विशेष प्रशिक्षण

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

आम आदमी क्लीनिकों के मेडिकल अधिकारियों को "नवजात बच्चों की देखभाल" विषय पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण सत्र जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. वनिंदर रियाड़ की देखरेख में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आम आदमी क्लीनिकों में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे को लगातार बढ़ाया जा रहा है। इसी के तहत सिविल सर्जन डॉ. राजेश गर्ग के निर्देशानुसार, जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. वनिंदर रियाड़ की अगुवाई में शहीद बाबू लाभ सिंह यादगारी नर्सिंग स्कूल, सिविल अस्पताल जालंधर में गुरुवार को जिले के आम आदमी क्लीनिकों के मेडिकल अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण का मुख्य विषय "नवजात बच्चों की देखभाल (न्यू बॉर्न केयर)" रहा। मेडिकल अधिकारियों को पीपीटी के माध्यम से विषय से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण बच्चों के रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋषि मार्कंडा द्वारा दिया गया। इस मौके पर अर्बन कोऑर्डिनेटर डॉ. सुरभि, डिप्टी एमईआईओ असीम शर्मा और जिला बीसीसी कोऑर्डिनेटर नीरज शर्मा भी उपस्थित रहे। डॉ. वनिंदर रियाड़ ने कहा कि मेडिकल अधिकारियों को इस प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए, ताकि लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। उन्होंने सभी अधिकारियों को आम आदमी क्लीनिकों में गर्भवती महिलाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भी प्रेरित किया, जिससे मातृ मृत्यु दर को और कम किया जा सके।

डॉ. ऋषि मार्कंडा ने न्यू बॉर्न केयर के बारे में विस्तार से जानकारी दी और मेडिकल अधिकारियों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब भी दिए। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान, जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, फैमिली प्लानिंग और पोस्ट नेटल केयर के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

वित्त मंत्री चीमा की टैक्स चोरों को चेतावनी- स्वेच्छा से कानून का पालन करें

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). लोहे और स्टील क्षेत्र में टैक्स चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई का ऐलान करते हुए, पंजाब के वित्त और आबकारी तथा कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां कहा कि राज्य के कर विभाग ने 200 से अधिक वाहनों को कब्जे में लिया है और लगभग 5 करोड़ रुपये की मार्केट वैल्यू का माल जब्त किया है। वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस बड़ी इन्फोर्समेंट मुहिम का निशाना जाली बिलिंग और बिना सही दस्तावेजों के माल की ढुलाई को रोकना है, जिसमें उल्लंघन करने वालों पर 3 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगने की संभावना है। आबकारी और कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि कर विभाग की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एंड प्रिवेंटिव यूनिट ने आज एक बड़ी इन्फोर्समेंट मुहिम को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। उन्होंने कहा, "यह रणनीतिक कार्रवाई मुख्य रूप से मंडी गोबिंदगढ़, खन्ना और आस-पास के इलाकों समेत प्रमुख लोहा और स्टील बेल्ट पर केंद्रित थी। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य बिना वैध दस्तावेजों के माल की ढुलाई और जाली बिलिंग के गैर-कानूनी इस्तेमाल के माध्यम से हो रही टैक्स चोरी को सख्ती से रोकना था।"

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार के दृढ़ रुख को दोहराते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने घोषणा की कि पंजाब सरकार जी.एस.टी. कानूनों की सख्त पालना सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा, "जाली बिलिंग या बिना अधिकृत अनुमति के माल की ढुलाई के माध्यम से टैक्स चोरी करने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाएगा। पूरे राज्य में ऐसी इन्फोर्समेंट मुहिमें निरंतर जारी रहेंगी और सभी उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।"

होशियारपुर रेलवे स्टेशन के पास फाटक पर प्रस्तावित आरओबी बनाने के लिए विचार-विमर्श

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने होशियारपुर-जलंधर रेल ट्रैक पर स्थानीय रेलवे स्टेशन के पास फाटक पर बनने वाले प्रस्तावित रेलवे ओवर ब्रिज के संबंध में अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करते हुए निर्देश दिए कि लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाए जाएं। जिला प्रशासनिक कॉम्प्लेक्स में लोक निर्माण विभाग, उत्तरी रेलवे तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने कहा कि इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट को शुरू करते समय लोगों की सुविधा के लिए सुचारू ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा जाए।अधिकारियों द्वारा पिछले वर्षों के दौरान प्रोजेक्ट की तजवीज में पुल की लंबाई पर लोगों द्वारा उठाए गए एतराजों के बारे में बताए जाने पर डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि प्रोजेक्ट की तजवीज को अंतिम रूप देते समय पुल की लंबाई आवश्यकता के अनुसार ही रखी जाए, ताकि लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

भारतीय रेलवे की ओर से डिप्टी चीफ इंजीनियर (रोड सेफ्टी) एच.एस. सिद्धू और लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी इंजीनियर गुरमीत सिंह द्वारा प्रोजेक्ट के विभिन्न चरणों के बारे में जानकारी दिए जाने पर डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान समय की मांग के अनुसार इस प्रोजेक्ट की मंजूरी के बाद निर्धारित समय सीमा में इसे पूरा करने को प्राथमिकता दी जाए, ताकि इस क्षेत्र के निवासियों को इस सुविधा का लाभ मिल सके।उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट से संबंधित कार्यवाहियों को न्यूनतम समय में पूरा करके अगली प्रक्रिया शुरू करना सुनिश्चित बनाया जाए।

पंजाब स्टेट फ़ूड कमीशन के मैंबर द्वारा स्कूलों और आंगनवाड़ी सेंटर्स का दौरा

जालंधर (जालंधर ब्रीज). पंजाब स्टेट फ़ूड कमीशन के मैंबर चेतन प्रकाश धालीवाल ने आज ज़िले के सरकारी प्राइमरी स्कूलों और आंगनवाड़ी सेंटर्स का अचानक दौरा किया। उन्होंने नैशनल फ़ूड सिक्योरिटी एक्ट-2013 के तहत चल रही अलग-अलग योजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने सरकारी प्राइमरी स्कूल, कंदोला कलां में मिड-डे मील का निरीक्षण किया और संतोष व्यक्त किया। बाद में, सरकारी स्कूल, शादीपुर और रामेवाल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने सामने आई कमियों को तुरंत दूर करने के निर्देश दिए। इस मौके पर, उन्होंने मौके पर मौजूद लाभपात्रियों को कमीशन के हेल्पलाइन नंबर 98767-64545 के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि नैशनल फ़ूड सिक्योरिटी एक्ट 2013 के तहत चल रही योजनाओं के बारे में शिकायत जिले के अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास), जालंधर के पास करवाई जा सकती है।

39 के हुए रोहित, अब तक बनाए कई रिकॉर्ड्स

फोटो-बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क. हर फॉर्मेट में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले और 'हिटमैन' कहे जाने वाले टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा 30 अप्रैल को 39 के हो गए। बता दें कि रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी में ऐसा मुकाम हासिल किया है जो क्रिकेट में बहुत कम खिलाड़ी ऐसा कर सके हैं। जब रोहित मैदान पर बल्लेबाजी करते हैं तो वह सबको अपने शॉट्स से मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

महाराष्ट्र के नागपुर में 30 अप्रैल 1987 को रोहित शर्मा का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम गुरुनाथ शर्मा और मां का नाम पूर्णिमा शर्मा है। इनके पिता एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में केयरटेकर के रूप में काम करते थे। वहीं, रोहित को मुंबई में क्रिकेट का ककहरा कोच दिनेश लाड ने सिखाया था। अगर रोहित शर्मा के क्रिकेट करियर की बात करें तो वह बहुत शानदार रहा है। यही वजह है कि रोहित वनडे क्रिकेट के महान ओपनर बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। रोहित ने भारत के लिए 282 वनडे मैचों में 48.85 की औसत से 11577 रन बनाए हैं जिनमें 33 शतक और 61 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, टेस्ट मैच की बात करें तो रोहित ने कुल 67 मैच खेले, जिनमें 4301 रन हैं। रोहित ने मई 2025 में टेस्ट से संन्यास का ऐलान किया था।

टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा ने 159 मैचों में 4,231 रन बनाए और इस फॉर्मेट में रोहित 5 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने साल 2024 में टी20 विश्वकप के बाद इस फॉर्मेट से भी संन्यास ले लिया था। आईपीएल में भी रोहित ने धूम मचाई है। उन्होंने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को पांच बार चैंपियन बनाया है।

रोहित के नाम वनडे क्रिकेट में तीन दोहरा शतक दर्ज है। ऐसा दुनिया में रोहित के अलावा कोई और नहीं कर पाया है। वनडे में रोहित शर्मा का सबसे बड़ा स्कोर 264 रन बनाने का रिकॉर्ड है, जोकि आज तक नहीं टूट पाया है। तीनों फॉर्मेट को मिलाकर सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है।

बेसिक कंप्यूटर कोर्स आज से शुरू

जालंधर (जालंधर ब्रीज). ज़िला रक्षा सेवाएं भलाई दफ्तर जालंधर के सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, जालंधर में तीन महीने का बेसिक कंप्यूटर कोर्स 1 मई 2026 से शुरू होने जा रहा है। संस्था की प्रिंसिपल डा. परमिंदर कौर सैणी ने बताया कि इस कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता 10वीं पास है। कोर्स में दाखिला लेने की अंतिम तिथि 10 मई 2026 है। उन्होंने बताया कि कोर्स में सेवारत सैनिकों/पूर्व सैनिकों के बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही पूर्व सैनिकों और समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों से केवल नाममात्र की फीस ही ली जाएगी। कोर्स पूरा होने के बाद विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। कोर्सों से संबंधित जानकारी के लिए फोन नंबरों 0181-2452290 89682-7305, 84279-68374, 77173-21740 पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.